

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

मिसाइल बनाना है सपना ? तो ये कोर्स जरूर करें, ISRO-DRDO में मिलेगी शानदार नौकरी ।

Publisher

Published on 10 May 2025



अगर आप भी देश के लिए मिसाइल बनाना चाहते हैं तो ये खबर आपके लिए बड़े काम की है. यहां हम आपको बताएंगे कि इसके लिए आपको कौन सा कोर्स करना होगा.

ऑपरेशन सिंदूर से लेकर भारत-पाक के तनाव तक आपने कई बार मिसाइल अटैक का नाम सुना होगा. देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने वाली मिसाइलें अब सिर्फ फिल्मों और युद्ध की खबरों तक सीमित नहीं रहें. अगर आप भी सोचते हैं कि एक दिन आप भारत की अगली ब्रह्मोस या अग्नि मिसाइल बनाने वाली टीम का हिस्सा बनें, तो अब ये सपना सच हो सकता है.

लेकिन इसके लिए आपको सही कोर्स और पढ़ाई की जानकारी होनी चाहिए. कई छात्र ऐसे होते हैं जिन्हें मिसाइल टेक्नोलॉजी में करियर बनाना है, लेकिन उन्हें रास्ता ही नहीं पता होता. चलिए आज हम बताते हैं कि मिसाइल बनाने के लिए कौन-सा कोर्स करना होता है और कहां से करें पढ़ाई.

मिसाइल बनाने के लिए कौन-सा कोर्स करें ?

मिसाइल डिजाइन, डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी में करियर बनाने के लिए एयरोस्पेस इंजीनियरिंग या मेकैट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग सबसे बेस्ट कोर्स माना जाता है. इसके अलावा मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन और रॉकेट प्रोपल्शन से जुड़े स्पेशलाइज्ड कोर्स भी मिसाइल टेक्नोलॉजी में आपकी मदद कर सकते हैं.

टॉप कॉलेज जहां से करें पढ़ाई

IITs (IIT Bombay, IIT Kanpur, IIT Madras)

IIST (Indian Institute of Space Science and Technology) – यह ISRO से जुड़ा संस्थान है.

BITS Pilani

IIIT Hyderabad

DRDO की रिसर्च लैब्स से जुड़ी यूनिवर्सिटीज

इन संस्थानों से पढ़ाई करने के बाद आप **ISRO, DRDO, HAL, BHEL** जैसी सरकारी एजेंसियों या प्राइवेट डिफेंस कंपनियों में काम कर सकते हैं.

क्या होती है योग्यता ?

अगर आप एयरोस्पेस या मिसाइल टेक्नोलॉजी से जुड़ा कोर्स करना चाहते हैं तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (PCM) जरूरी है. इसके बाद आप JEE जैसी परीक्षाएं देकर टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन ले सकते हैं.

नौकरी के मौके कहां-कहां ?

- १. ISRO (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन)**
- २. DRDO (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन)**
- ३. HAL (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड)**
- ४. BrahMos Aerospace**
- ५. भारतीय सेना के रिसर्च विंग**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.